NARENDRA KUMAR SINGH

19 Aug 1986

05:15 AM

Ghazipur

Model: Web-VarshDetails

Order No: 121864101

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
18-19/08/1986	जन्म तिथि	**19/08/2026**
सोम-मंगलवार	दिन	बुधवार
घंटे 05:15:00	जन्म समय	11:11:06 घंटे
घटी 59:22:27	जन्म समय(घटी)	14:11:16 घटी
India	देश	India
Ghazipur	स्थान	Ghazipur
उत्तर 25:35:16	अक्षांश	25:35:16 उत्तर
पूर्व 83:34:41	रेखांश	83:34:41 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:04:19	स्थानिक संस्कार	00:04:19 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:30:01	सूर्योदय	05:30:35
18:27:50	सूर्यास्त	18:27:33
23:40:08	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:54
कर्क	लग्न	तुला
चन्द्र	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
मकर	राशि	तुला
शनि	राशि-स्वामी	शुक्र
श्रवण	नक्षत्र	विशाखा
चन्द्र	नक्षत्र स्वामी	गुरु
4	चरण	1
शोभन	योग	ब्रह्म
विष्टि	करण	वणिज
खो-खोकरन	जन्म नामाक्षर	ती-तीप्ति
सिंह	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह
वैश्य	वर्ण	शूद्र
जलचर	वश्य	मानव
वानर	योनि	व्याघ्र
देव	गण	राक्षस
अन्त्य	नाड़ी	अन्त्य
मार्जार	वर्ग	सर्प
40	गत/तत्कालिक वर्ष	41

जन्म - विवरण वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
आश्लेषा	4	27:50:56	कर्क			लग्न			तुला	17:08:58	4	स्वाति
मघा	1	02:03:09	सिंह			सूर्य			सिंह	02:03:09	1	मघा
श्रवण	4	21:25:25	मक			चंद्र			तुला	22:14:47	1	विशाखा
पूर्वाषाढ़ा	2	18:03:31	धनु			मंगल			मिथु	10:57:06	2	आर्द्रा
पुष्य	4	15:36:21	कर्क			बुध		अ	कर्क	23:16:31	2	आश्लेषा
पू०भाद्रपद	3	27:02:29	कुंभ	व		गुरु			कर्क	16:44:20	1	आश्लेषा
हस्त	3	17:53:22	कन्या			शुक्र			कन्या	17:51:29	3	हस्त
अनुराधा	2	09:30:28	वृश्चि			शनि	व		मीन	20:03:29	2	रेवती
रेवती	4	28:45:40	मीन	व		राहु	व		कुंभ	05:36:18	4	धनिष्ठा
चित्रा	2	28:45:40	कन्या	व		केतु	व		सिंह	05:36:18	2	मघा
ज्येष्ठा	3	24:43:21	वृश्चि	व		मु			वृश्चि	27:50:56	4	ज्येष्ठा

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:54

लग्न-चलित

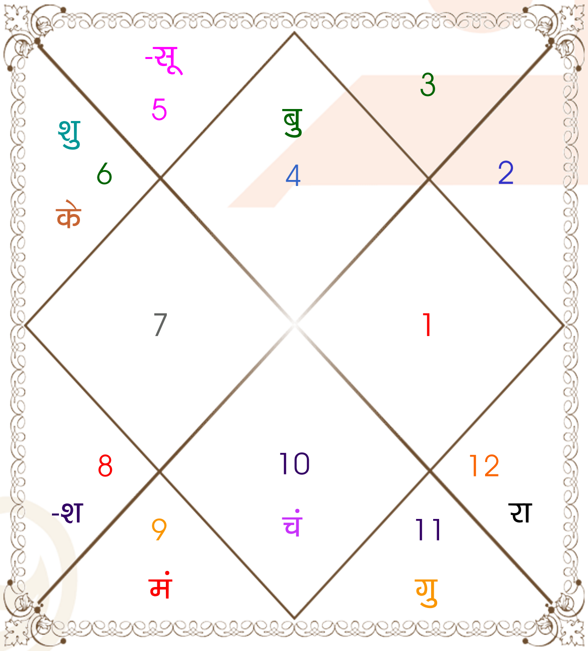

वर्ष लग्न कुंडली

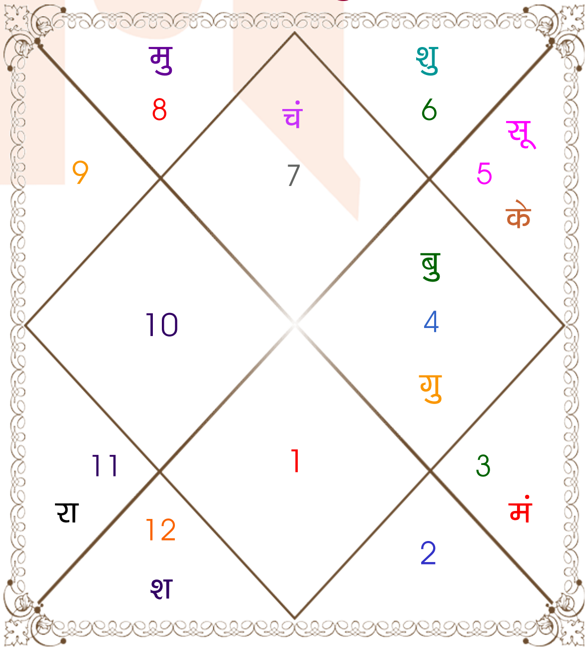

चन्द्र कुंडली

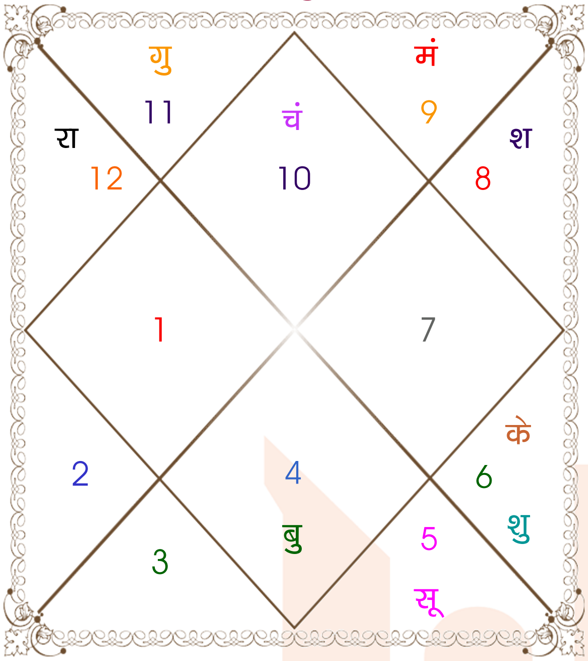

वर्ष चन्द्र कुंडली

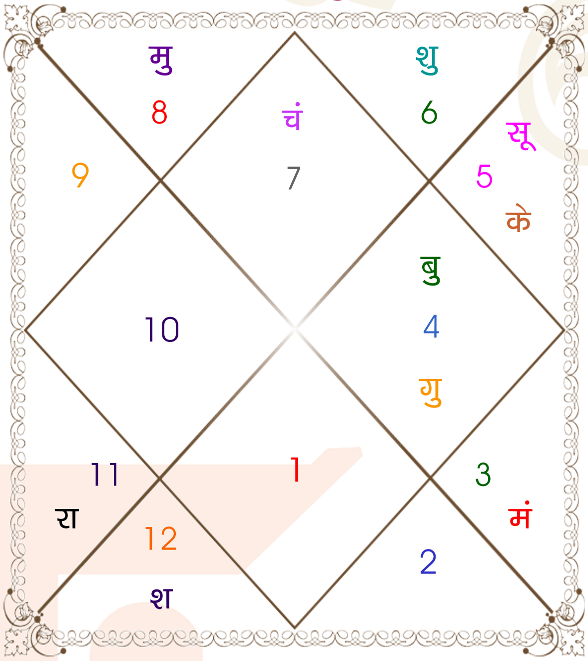

नवमांश कुंडली

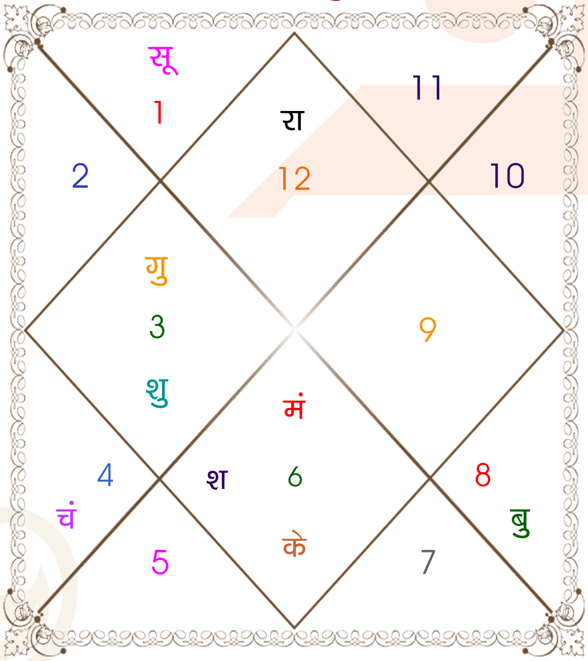

वर्ष नवमांश कुंडली

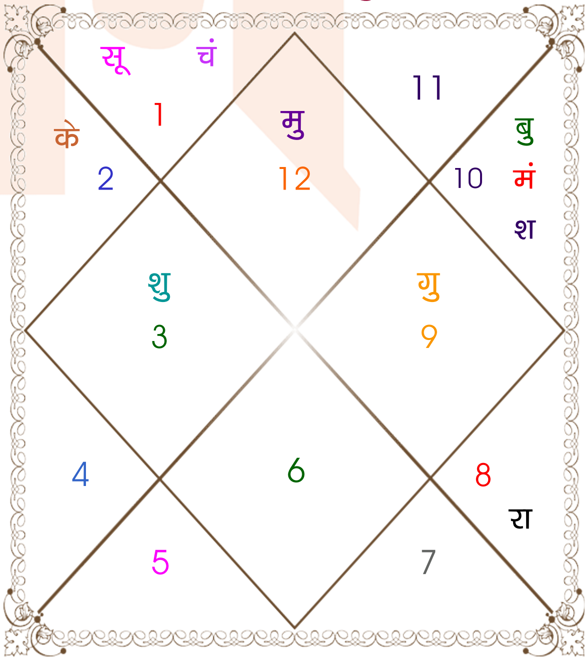

मैत्री सारिणी

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	---	मित्र	मित्र	सम	सम	सम	सम
चन्द्र	मित्र	---	मित्र	शत्रु	शत्रु	सम	सम
मंगल	मित्र	मित्र	---	सम	सम	शत्रु	शत्रु
बुध	सम	शत्रु	सम	---	शत्रु	मित्र	मित्र
गुरु	सम	शत्रु	सम	शत्रु	---	मित्र	मित्र
शुक्र	सम	सम	शत्रु	मित्र	मित्र	---	शत्रु
शनि	सम	सम	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	---

द्वादशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	तुला	सिंह	तुला	मिथु	कर्क	कर्क	कन्या	मीन
होरा	कर्क	सिंह	कर्क	सिंह	सिंह	सिंह	सिंह	सिंह
द्रेष्काण	कुंभ	कुंभ	धनु	मेष	कर्क	कन्या	वृष	वृश्चि
चतुर्थांश	मेष	सिंह	मेष	कन्या	मेष	मक	मीन	कन्या
पंचमांश	धनु	मेष	मिथु	कुंभ	मक	मीन	मीन	मक
षष्ठांश	कर्क	मेष	सिंह	मिथु	कुंभ	मक	मक	कुंभ
सप्तमांश	कुंभ	सिंह	मीन	सिंह	मिथु	मेष	कर्क	मक
अष्टमांश	सिंह	सिंह	कन्या	कर्क	तुला	सिंह	कन्या	तुला
नवमांश	मीन	मेष	मेष	मक	मक	धनु	मिथु	मक
दशमांश	मीन	सिंह	वृष	कन्या	तुला	सिंह	तुला	वृष
एकादशांश	मीन	कर्क	वृष	कन्या	कुंभ	धनु	कुंभ	कन्या
द्वादशांश	मेष	सिंह	मिथु	तुला	मेष	मक	मेष	वृश्चि

द्वादशवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	स्व	सम	सम	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र
होरा	स्व	स्व	मित्र	सम	सम	सम	सम
द्रेष्काण	सम	शत्रु	स्व	शत्रु	शत्रु	स्व	शत्रु
चतुर्थांश	स्व	मित्र	सम	सम	मित्र	मित्र	मित्र
पंचमांश	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	स्व	मित्र	स्व
षष्ठांश	मित्र	मित्र	सम	मित्र	मित्र	शत्रु	स्व
सप्तमांश	स्व	शत्रु	मित्र	स्व	सम	सम	स्व
अष्टमांश	स्व	शत्रु	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु
नवमांश	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	स्व	मित्र	स्व
दशमांश	स्व	सम	सम	मित्र	सम	स्व	शत्रु
एकादशांश	मित्र	सम	सम	मित्र	स्व	शत्रु	मित्र
द्वादशांश	स्व	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु
शुभ	11	4	4	7	6	7	7
सम	1	3	5	3	4	2	1
अशुभ	0	5	3	2	2	3	4
कुल	शुभ	अशुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ

हर्ष बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	0	0	0	0	0	0	0
द्वितीय बल	5	0	0	0	5	0	0
तृतीय बल	5	5	0	0	5	0	0
चतुर्थ बल	5	0	5	0	5	0	0
कुल	15	5	5	0	15	0	0
बल	बली	क्षीण	क्षीण	अतिक्षीण	बली	अतिक्षीण	अतिक्षीण

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
क्षेत्रीय बल	30.00	15.00	15.00	7.50	7.50	22.50	22.50
उच्च बल	7.55	1.19	5.23	14.25	18.70	1.02	3.33
हददा बल	7.50	7.50	3.75	3.75	3.75	11.25	3.75
द्रेष्काण	5.00	2.50	10.00	2.50	2.50	10.00	2.50
नवमांश	3.75	3.75	1.25	3.75	5.00	3.75	5.00
कुल	53.80	29.94	35.23	31.75	37.45	48.52	37.08
विंशोपक	13.45	7.49	8.81	7.94	9.36	12.13	9.27
बल	शुभ	सामान्य	सामान्य	सामान्य	सामान्य	शुभ	सामान्य

वर्षेश निर्णय

स्वामित्व	ग्रह	बल	लग्न पर दृष्टि	वर्षेश
जन्म लग्नाधिपति	चंद्र	7.49	दृष्टि नहीं	
वर्ष लग्नाधिपति	शुक्र	12.13	दृष्टि नहीं	
मुन्था लग्नाधिपति	मंगल	8.81	अतिशुभ	सूर्य
दिवापति	सूर्य	13.45	शुभ	
त्रिराशिपति	बुध	7.94	अशुभ	

सहम

सहम जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रदर्शित करने वाली विशेष स्थिति या बिन्दु है। ग्रह या भावों के विपरीत सहम जीवन की एक ही घटना से संबंध रखता है। आचार्य नीलकंठ के अनुसार सहम 50 हैं। यदि सहम और इसका स्वामी शुभ हो या शुभदृष्ट हो तो यह सांकेतिक घटना के लिए शुभ फल प्रदान करता है। ताजिक शास्त्र के अनुसार किसी भी घटना की अवधि को इसकी स्थिति, स्वामी तथा उस राशि की स्थिति से ज्ञात किया जाता है जिसमें यह स्थित है। नीचे सहमों की गणना करके उनकी संभावित तिथियां दी गई हैं जो अग्रिम फलादेश में सहायक सिद्ध हो सकेंगी।

सहम	राशि	अंश	स्वा	घटना तिथि
पुण्य	मकर	07:20:36	शनि	14/07/2027
गुरु	सिंह	26:57:20	सूर्य	06/09/2026
ज्ञान	सिंह	26:57:20	सूर्य	06/09/2026
यश	वृष	26:32:42	शुक्र	29/05/2027
मित्र	मिथुन	07:28:13	बुध	10/07/2027
माहात्म्य	वृष	13:32:27	शुक्र	14/05/2027
आशा	मेष	19:20:58	मंगल	15/08/2027
समर्थ	कर्क	10:14:35	चन्द्र	31/03/2027
भातृ	मीन	13:49:49	गुरु	08/05/2027
गौरव	वृष	26:32:42	शुक्र	29/05/2027
राजा	मिथुन	05:09:18	बुध	08/07/2027
पितृ	मिथुन	05:09:18	बुध	08/07/2027
मातृ	वृश्चिक	21:32:16	मंगल	22/01/2027
सुत	सिंह	11:38:31	सूर्य	25/08/2026
जीव	मिथुन	20:28:06	बुध	24/07/2027
अम्बु	वृश्चिक	21:32:16	मंगल	22/01/2027
कर्म	कन्या	04:49:33	बुध	18/09/2026
रोग	तुला	12:03:09	शुक्र	07/09/2026
कामदेव	वृश्चिक	21:32:16	मंगल	22/01/2027
कलि	धनु	22:56:12	गुरु	08/02/2027
क्षेम	धनु	22:56:12	गुरु	08/02/2027
शास्त्र	धनु	19:57:23	गुरु	05/02/2027
बन्धु	सिंह	18:10:42	सूर्य	30/08/2026
बंधक	मकर	16:07:14	शनि	24/07/2027
मृत्यु	तुला	15:49:41	शुक्र	10/09/2026

सहम

सहम	राशि	अंश	स्वा	घटना तिथि
परदेश	कन्या	12:45:28	बुध	23/09/2026
अर्थ	मीन	24:12:51	गुरु	20/05/2027
परदारा	मकर	02:57:17	शनि	09/07/2027
अन्यकर्म	वृष	19:20:16	शुक्र	21/05/2027
वणिक	मकर	16:07:14	शनि	24/07/2027
कार्यसिद्धि	मीन	20:03:29	गुरु	15/05/2027
विवाह	वृष	14:56:58	शुक्र	16/05/2027
प्रसूति	तुला	10:36:47	शुक्र	06/09/2026
संताप	सिंह	15:49:41	सूर्य	28/08/2026
श्रद्धा	कुम्भ	24:03:20	शनि	27/08/2027
प्रीति	कर्क	06:45:42	चन्द्र	28/03/2027
बल	वृष	26:32:42	शुक्र	29/05/2027
देह	वृष	26:32:42	शुक्र	29/05/2027
जाडय	वृश्चिक	14:10:09	मंगल	14/01/2027
व्यापार	कन्या	04:49:33	बुध	18/09/2026
जलपतन	वृश्चिक	14:10:09	मंगल	14/01/2027
शत्रु	कुम्भ	08:02:35	शनि	09/08/2027
शौर्य	वृष	13:32:27	शुक्र	14/05/2027
उपाय	मिथुन	20:28:06	बुध	24/07/2027
दरिद्रता	मकर	07:20:36	शनि	14/07/2027
गुरुता	मिथुन	25:05:49	बुध	29/07/2027
जलपथ	मीन	12:05:29	गुरु	06/05/2027
बंधन	सिंह	04:26:05	सूर्य	20/08/2026
कन्या	तुला	12:45:39	शुक्र	07/09/2026
अश्व	मकर	24:10:28	शनि	03/08/2027

वर्ष त्रिपताकी कुंडली

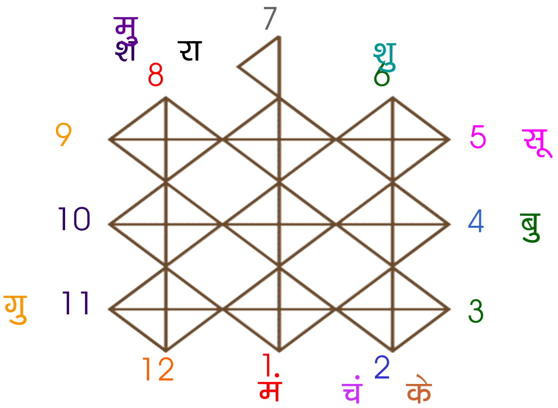

पात्यंश दशा

सूर्य		मंगल		गुरु		लग्न		शुक्र	
19/08/2026		**20/09/2026**		**07/02/2027**		**09/05/2027**		**15/05/2027**	
20/09/2026		**07/02/2027**		**09/05/2027**		**15/05/2027**		**26/05/2027**	
सूर्य	22/08/2026	मंगल	13/11/2026	गुरु	01/03/2027	लग्न	09/05/2027	शुक्र	15/05/2027
मंगल	03/09/2026	गुरु	17/12/2026	लग्न	03/03/2027	शुक्र	09/05/2027	शनि	16/05/2027
गुरु	11/09/2026	लग्न	20/12/2026	शुक्र	06/03/2027	शनि	10/05/2027	चंद्र	18/05/2027
लग्न	12/09/2026	शुक्र	24/12/2026	शनि	14/03/2027	चंद्र	10/05/2027	बुध	18/05/2027
शुक्र	13/09/2026	शनि	06/01/2027	चंद्र	23/03/2027	बुध	10/05/2027	सूर्य	19/05/2027
शनि	16/09/2026	चंद्र	19/01/2027	बुध	27/03/2027	सूर्य	11/05/2027	मंगल	23/05/2027
चंद्र	19/09/2026	बुध	26/01/2027	सूर्य	04/04/2027	मंगल	13/05/2027	गुरु	26/05/2027
बुध	20/09/2026	सूर्य	07/02/2027	मंगल	09/05/2027	गुरु	15/05/2027	लग्न	26/05/2027

शनि		चंद्र		बुध		सूर्य	
26/05/2027		**30/06/2027**		**03/08/2027**		**19/08/2027**	
30/06/2027		**03/08/2027**		**19/08/2027**		**00/00/0000**	
शनि	29/05/2027	चंद्र	03/07/2027	बुध	04/08/2027	सूर्य	19/08/2027
चंद्र	02/06/2027	बुध	04/07/2027	सूर्य	05/08/2027		00/00/0000
बुध	03/06/2027	सूर्य	08/07/2027	मंगल	11/08/2027		00/00/0000
सूर्य	06/06/2027	मंगल	21/07/2027	गुरु	15/08/2027		00/00/0000
मंगल	19/06/2027	गुरु	29/07/2027	लग्न	16/08/2027		00/00/0000
गुरु	28/06/2027	लग्न	30/07/2027	शुक्र	16/08/2027		00/00/0000
लग्न	29/06/2027	शुक्र	31/07/2027	शनि	18/08/2027		00/00/0000
शुक्र	30/06/2027	शनि	03/08/2027	चंद्र	19/08/2027		00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
पात्यंश दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

मुद्दा दशा

शनि		बुध		केतु		शुक्र		सूर्य	
19/08/2026		16/10/2026		07/12/2026		28/12/2026		27/02/2027	
16/10/2026		07/12/2026		28/12/2026		27/02/2027		17/03/2027	
शनि	28/08/2026	बुध	23/10/2026	केतु	08/12/2026	शुक्र	07/01/2027	सूर्य	28/02/2027
बुध	05/09/2026	केतु	26/10/2026	शुक्र	11/12/2026	सूर्य	10/01/2027	चंद्र	01/03/2027
केतु	09/09/2026	शुक्र	04/11/2026	सूर्य	12/12/2026	चंद्र	15/01/2027	मंगल	02/03/2027
शुक्र	18/09/2026	सूर्य	06/11/2026	चंद्र	14/12/2026	मंगल	19/01/2027	राहु	05/03/2027
सूर्य	21/09/2026	चंद्र	11/11/2026	मंगल	15/12/2026	राहु	28/01/2027	गुरु	07/03/2027
चंद्र	26/09/2026	मंगल	14/11/2026	राहु	19/12/2026	गुरु	05/02/2027	शनि	10/03/2027
मंगल	29/09/2026	राहु	21/11/2026	गुरु	21/12/2026	शनि	15/02/2027	बुध	13/03/2027
राहु	08/10/2026	गुरु	28/11/2026	शनि	25/12/2026	बुध	23/02/2027	केतु	14/03/2027
गुरु	16/10/2026	शनि	07/12/2026	बुध	28/12/2026	केतु	27/02/2027	शुक्र	17/03/2027

चंद्र		मंगल		राहु		गुरु		गुरु	
17/03/2027		16/04/2027		08/05/2027		02/07/2027		02/07/2027	
16/04/2027		08/05/2027		02/07/2027		19/08/2027		19/08/2027	
चंद्र	20/03/2027	मंगल	18/04/2027	राहु	16/05/2027	गुरु	08/07/2027	गुरु	08/07/2027
मंगल	21/03/2027	राहु	21/04/2027	गुरु	23/05/2027	शनि	16/07/2027	शनि	16/07/2027
राहु	26/03/2027	गुरु	24/04/2027	शनि	01/06/2027	बुध	23/07/2027	बुध	23/07/2027
गुरु	30/03/2027	शनि	27/04/2027	बुध	09/06/2027	केतु	25/07/2027	केतु	25/07/2027
शनि	04/04/2027	बुध	30/04/2027	केतु	12/06/2027	शुक्र	03/08/2027	शुक्र	03/08/2027
बुध	08/04/2027	केतु	01/05/2027	शुक्र	21/06/2027	सूर्य	05/08/2027	सूर्य	05/08/2027
केतु	10/04/2027	शुक्र	05/05/2027	सूर्य	24/06/2027	चंद्र	09/08/2027	चंद्र	09/08/2027
शुक्र	15/04/2027	सूर्य	06/05/2027	चंद्र	28/06/2027	मंगल	12/08/2027	मंगल	12/08/2027
सूर्य	16/04/2027	चंद्र	08/05/2027	मंगल	02/07/2027	राहु	19/08/2027	राहु	19/08/2027

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
मुद्दा दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

गुरु - मंगल - बुध		गुरु - मंगल - केतु		गुरु - मंगल - शुक्र		गुरु - मंगल - सूर्य	
13/03/2026 12:45		30/04/2026 19:49		20/05/2026 17:04		16/07/2026 12:40	
30/04/2026 19:49		20/05/2026 17:04		16/07/2026 12:40		02/08/2026 13:45	
बुध	20/03/2026 08:57	केतु	01/05/2026 23:39	शुक्र	30/05/2026 04:20	सूर्य	17/07/2026 09:07
केतु	23/03/2026 04:34	शुक्र	05/05/2026 07:12	सूर्य	02/06/2026 00:31	चंद्र	18/07/2026 19:13
शुक्र	31/03/2026 05:44	सूर्य	06/05/2026 07:03	चंद्र	06/06/2026 18:09	मंगल	19/07/2026 19:05
सूर्य	02/04/2026 15:41	चंद्र	07/05/2026 22:50	मंगल	10/06/2026 01:42	राहु	22/07/2026 08:26
चंद्र	06/04/2026 16:17	मंगल	09/05/2026 02:40	राहु	18/06/2026 14:14	गुरु	24/07/2026 14:59
मंगल	09/04/2026 11:53	राहु	12/05/2026 02:15	गुरु	26/06/2026 04:03	शनि	27/07/2026 07:45
राहु	16/04/2026 17:45	गुरु	14/05/2026 17:53	शनि	05/07/2026 03:57	बुध	29/07/2026 17:42
गुरु	23/04/2026 04:17	शनि	17/05/2026 21:27	बुध	13/07/2026 05:08	केतु	30/07/2026 17:34
शनि	30/04/2026 19:49	बुध	20/05/2026 17:04	केतु	16/07/2026 12:40	शुक्र	02/08/2026 13:45

गुरु - मंगल - चंद्र		गुरु - राहु - राहु		गुरु - राहु - गुरु		गुरु - राहु - शनि	
02/08/2026 13:45		30/08/2026 23:33		09/01/2027 11:19		06/05/2027 08:26	
30/08/2026 23:33		09/01/2027 11:19		06/05/2027 08:26		22/09/2027 03:31	
चंद्र	04/08/2026 22:34	राहु	19/09/2026 16:55	गुरु	25/01/2027 01:19	शनि	28/05/2027 07:51
मंगल	06/08/2026 14:20	गुरु	07/10/2026 05:41	शनि	12/02/2027 13:28	बुध	16/06/2027 23:45
राहु	10/08/2026 20:36	शनि	28/10/2026 01:21	बुध	01/03/2027 02:52	केतु	25/06/2027 02:04
गुरु	14/08/2026 15:31	बुध	15/11/2026 16:25	केतु	07/03/2027 22:30	शुक्र	18/07/2027 05:15
शनि	19/08/2026 03:28	केतु	23/11/2026 08:30	शुक्र	27/03/2027 10:01	सूर्य	25/07/2027 03:48
बुध	23/08/2026 04:03	शुक्र	15/12/2026 06:27	सूर्य	02/04/2027 06:16	चंद्र	05/08/2027 17:23
केतु	24/08/2026 19:50	सूर्य	21/12/2026 20:15	चंद्र	12/04/2027 00:02	मंगल	13/08/2027 19:42
शुक्र	29/08/2026 13:28	चंद्र	01/01/2027 19:13	मंगल	18/04/2027 19:40	राहु	03/09/2027 15:22
सूर्य	30/08/2026 23:33	मंगल	09/01/2027 11:19	राहु	06/05/2027 08:26	गुरु	22/09/2027 03:31

गुरु - राहु - बुध		गुरु - राहु - केतु		गुरु - राहु - शुक्र		गुरु - राहु - सूर्य	
22/09/2027 03:31		24/01/2028 07:57		15/03/2028 11:11		08/08/2028 13:35	
24/01/2028 07:57		15/03/2028 11:11		08/08/2028 13:35		21/09/2028 09:31	
बुध	09/10/2027 17:44	केतु	27/01/2028 07:32	शुक्र	08/04/2028 19:35	सूर्य	10/08/2028 18:11
केतु	16/10/2027 23:36	शुक्र	04/02/2028 20:05	सूर्य	16/04/2028 02:55	चंद्र	14/08/2028 09:51
शुक्र	06/11/2027 16:20	सूर्य	07/02/2028 09:26	चंद्र	28/04/2028 07:07	मंगल	16/08/2028 23:12
सूर्य	12/11/2027 21:22	चंद्र	11/02/2028 15:43	मंगल	06/05/2028 19:39	राहु	23/08/2028 13:00
चंद्र	23/11/2027 05:44	मंगल	14/02/2028 15:18	राहु	28/05/2028 17:37	गुरु	29/08/2028 09:15
मंगल	30/11/2027 11:35	राहु	22/02/2028 07:23	गुरु	17/06/2028 05:08	शनि	05/09/2028 07:48
राहु	19/12/2027 02:39	गुरु	29/02/2028 03:01	शनि	10/07/2028 08:19	बुध	11/09/2028 12:50
गुरु	04/01/2028 16:03	शनि	08/03/2028 05:20	बुध	31/07/2028 01:03	केतु	14/09/2028 02:11
शनि	24/01/2028 07:57	बुध	15/03/2028 11:11	केतु	08/08/2028 13:35	शुक्र	21/09/2028 09:31

वर्ष योग

इक्कबाल योग

यदि वर्ष कुंडली में सभी ग्रह केन्द्र (1, 4, 7, 10) और पणफर (2, 5, 8, 11) स्थानों में हो तो इक्कबाल नामक योग होता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

इन्दुवार योग

वर्ष कुंडली में यदि सूर्यादि सभी ग्रह आपीक्लिम (3, 6, 9, 12) स्थानों में हो तो इन्दुवार योग होता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

इत्थशाल योग

यदि लग्नेश और अन्य ग्रह (कार्येश) की परस्पर दृष्टि हो तथा दोनों ग्रह दीप्तांशों के अन्तर्गत हों तो इत्थशाल योग होता है। यह तीन प्रकार का होता है। वर्तमान, सम्पूर्ण और भविष्यत। सम्पूर्ण इत्थशाल तब होता है जबकि शीघ्रगामी ग्रह मन्दगति ग्रह से 1 कला के अंतर पर हो। वर्तमान इत्थशाल में शीघ्रगति वाले ग्रह के अंश कम एवं मन्दगति ग्रह के अंश अधिक हों तथा दोनों की परस्पर दृष्टि हो। भविष्यत इत्थशाल तब होता है जबकि शीघ्रगति ग्रह राशि के अन्तिम अंश में हो तथा दूसरी राशि पर मन्द गति ग्रह हो परन्तु मध्यान्तर दीप्तांशो के अन्तर्गत हों।

इस वर्ष आपकी वर्तमान शीघ्र गति ग्रह शुक्र (कन्या 17:51:29), एवं मन्दगति ग्रह शनि (मीन 20:03:29), के मध्य है।

यह योग वर्ष में अत्यन्त शुभ माना जाता है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इस वर्ष में आपके सुखसाधनों में वृद्धि होगी तथा मकान वाहन या जायदाद संबंधी लाभ भी होगा। माता का स्वास्थ्य इस समय अच्छा होगा तथा उनसे संबंधों में मधुरता में वृद्धि होगी। विद्यार्थियों के लिए शिक्षा की दृष्टि से वर्ष उत्तम एवं सफलता प्रदान करने वाला होगा तथा स्नातक परीक्षा में विशिष्ट सफलता प्राप्त होगी। इस समय संतति से आपको वांछित सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी एवं अपने क्षेत्र में वे उन्नति के मार्ग पर अग्रसर होंगे। जो लोग सन्तति की अपेक्षा कर रहे हैं उन्हें पुत्र की प्राप्ति होगी। उत्तमशिक्षा प्राप्त करने वालों के लिए वर्ष अत्यन्त शुभ होगा तथा राजनीति में सक्रिय लोगों को वांछित राजनैतिक लाभ की प्राप्ति होगी। साथ ही प्रभावशाली एवं महत्वपूर्ण लोगों से सम्पर्क स्थापित होंगे । इस प्रकार वर्ष आपके लिए अत्यन्त ही शुभ रहेगा।

इसराफ योग

यदि शीघ्रगामी ग्रह मन्दगामी ग्रह से आगे हो तो इसराफ योग होता है यह इत्थशाल का विपरीत होता है।

इसराफ योग मन्दगति ग्रह मंगल (मिथु 10:57:06), एवं शीघ्र गति ग्रह शुक्र (कन्या 17:51:29), के मध्य बन रहा है।

वर्ष कुंडली में यह एक अशुभ योग माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से इस वर्ष में आपकी पारिवारिक सुख शान्ति एवं समृद्धि में न्यूनता रहेगी तथा सदस्यों के मध्य मतभेद भी उत्पन्न होंगे। साथ ही वाणी की तेजस्विता से भी यदाकदा अनावश्यक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। अतः वाणी पर संयम रखें। इसके अतिरिक्त दाम्पत्य संबंधों में भी तनाव होगा जिससे दाम्पत्य सुख में कमी आएगी। व्यापारिक क्षेत्र में इस समय साझेदार से कोई समस्या उत्पन्न हो सकती है। राजनीति में सक्रिय लोगो को ऐसे समय में किसी राजनैतिक लाभ की अपेक्षा नहीं करनी चाहिए। इस प्रकार वर्ष में शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सोचसमझकर सम्पन्न करना चाहिए तथा धैर्य पूर्वक समय की प्रतीक्षा करनी चाहिए।

इसराफ योग मन्दगति ग्रह शुक्र (कन्या 17:51:29), एवं शीघ्र गति ग्रह बुध (कर्क 23:16:31), के मध्य बन रहा है।

वर्ष कुंडली मे यह योग सामान्यतया अशुभ माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से इस वर्ष में भाग्योदय में विलम्ब होगा तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो की सिद्धि में रुकावटें आएंगी। साथ ही मान सम्मान एवं प्रसिद्धि में भी कमी आएगी। अतः कार्य कलापों को सोचसमझकर सम्पन्न करें। इसके अतिरिक्त देश विदेश की लम्बी यात्राओं की उपेक्षा करें क्यों कि यात्राओं से इस समय लाभ कम होगा तथा यात्रा के मध्य मानसिक तनाव की स्थिति बन सकती है। इस समय व्यय पर भी नियंन्त्रण रखना चाहिए। साथ ही इस वर्ष मे किसी भी प्रकार का पूंजी निवेश नहीं करना चाहिए क्यों कि इस समय पूंजी निवेश से हानि के योग बनते है। इस प्रकार आपको संयम पूर्वक समय व्यतीत करना चाहिए। इसराफ योग मन्दगति ग्रह गुरु (कर्क 16:44:20), एवं शीघ्र गति ग्रह शुक्र (कन्या 17:51:29), के मध्य बन रहा है।

वर्ष कुंडली में यह योग सामान्यतया अच्छा नहीं माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से इस समय भाइयों एवं बन्धुवर्ग से विशेष सहयोग एवं लाभ नहीं मिलेगा तथा आपसी संबंधों मे मधुरता के भाव की न्यूनता होगी। साथ ही मन में आत्मविश्वास एवं उत्साह के साथ में कमी आएगी जिससे शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य विलम्ब से सिद्ध होंगे। इस समय संचार साधनों मे भी कमी आ सकती है। इसके अतिरिक्त मामा से भी मतभेद होंगे तथा वांछित लाभ एवं सहयोग की भाव में कमी आएगी। इस वर्ष में प्रतियोगी परीक्षा चुनाव या मुकद्दमे आदि में सफलता के योग कम ही बनते हैं। साथ ही रोग या कर्ज आदि से मुक्त होने में भी समय लगेगा तथा शत्रु एवं विपक्षी वर्ग से समय समय पर परेशानी उत्पन्न होगी। अतः ऐसे समय को संयम एवं बुद्धिमता पूर्वक व्यतीत करना चाहिए।

नक्त योग

यदि लग्नेश और कार्येश में दृष्टि न हो और उन दोनों के मध्य दीप्तांशों के अन्तर्गत ऐसा शीघ्रगामी ग्रह हो जो लग्नेश और कर्मेश को देखता हो तो एक ग्रह के तेज को लेकर दूसरों को देता है। इस योग में किसी तीसरे व्यक्ति की सहायता से कार्य बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

यमया योग

यदि लग्नेश और कार्येश की परस्पर दृष्टि न हो और कोई मन्दगति वाला ग्रह दीप्ताशों के अन्तर्गत हो तथा दोनों को देखता हो तो वह शीघ्रगति ग्रह मन्दगति वाले ग्रह को दे देता है।

यमया योग शुक्र तथा चंद्र के मध्य है क्योंकि गुरु मन्दगति ग्रह है तथा लग्नेश एवं कार्येश दोनों को देखता है।

इस योग के शुभ प्रभाव से आपके कार्य क्षेत्र में वांछित उन्नति एवं सफलता की प्राप्ति होगी यदि नौकरी पर है तो पदोन्नति का अवसर मिलेगा जिससे मान सम्मान एवं अधिकारों की वृद्धि होगी। व्यापार के क्षेत्र में व्यापार में विस्तार होगा अथवा कोई नया कार्य प्रारंम्भ होगा जिससे भविष्य में लाभ के प्रबल योग बनेंगे। धनार्जन की दृष्टि से वर्ष उत्तम फलदायी होगा। इस समय आपकी आय में वृद्धि होगी तथा आप के आय स्रोत एक से अधिक होगें जिससे आर्थिक सुदृढ़ता रहेगी। इसके अतिरिक्त प्रभावशाली लोंगो से भी सम्पर्क स्थापित होंगे।

मणऊ योग

यदि लग्नेश एवं कर्मेश में इत्थशाल हो किन्तु कोई पाप ग्रह दोनों को या एक को भी शत्रु दृष्टि से देखता हो तथा दीप्तांशों के अन्तर्गत हो तो मणऊ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

कम्बूल योग

यदि लग्नेश और कार्येश में परस्पर इत्थशाल हो तथा इन दोनों में एक से भी चन्द्रमा इत्थशाल करता हो तो कम्बूल योग बनता है।

कम्बूल योग शुक्र और शनि के मध्य बन रहा है क्योंकि चन्द्रमा का शनि से इत्थशाल हो रहा है।

इस योग के शुभ प्रभाव से इस वर्ष आप बन्धुवर्ग से वांछित लाभ एवं सहयोग अर्जित करेगें तथा आपसी संबन्धों मे मधुरता का भाव होगा। इस समय दूर समीप की लाभदायक यात्राएं भी संपन्न होंगी। साथ ही आप स्वपराक्रम एवं बुद्धिमता से शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करेंगे। इसके अतिरिक्त आपकी संचार सुविधाओं यथा टेलीफोन आदि में वृद्धि होगी तथा यदि प्रकाशन आदि के इच्छुक है तो इस वर्ष में आपको वांछित सफलता मिलेगी।

गैरी कम्बूल योग

लग्नेश एवं कार्येश दोनों का इत्शाल हो परंतु चन्द्रमा की इन पर दृष्टि न हो किन्तु वही चन्द्रमा बलवान होकर अग्रिम राशि में जाकर किसी अन्य बलवान ग्रह से इत्थशाल करे तो गैरी कम्बूल योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

खल्लासर योग

लग्नेश और कार्येश का परस्पर इत्थशाल हो लेकिन शून्यमार्गी चन्द्रमा किसी से इत्थशाल न करता हो तो खल्लासर नामक योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

रदद योग

यदि लग्नेश और कार्येश में कोई ग्रह अस्त नीच शत्रु क्षेत्री अथवा 6, 8, 12 में हो और परस्पर इत्थशाली हो, क्रूर ग्रह से युक्त या दृष्ट हो तो रदद नामक योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

दुफालिकुत्थ योग

लग्नेश और कार्येश में इत्थशाल हो (1) इन दोनों में से मन्दगति वाला ग्रह अपनी उच्च राशि /स्वराशि /नवांश / द्रेष्काण आदि में बलवान हो तथा (2) शीघ्रगामी ग्रह अपनी उच्च स्वराशि में न हो तथा निर्बल हो तो दुफालिकुत्थ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

दुत्थकुत्थीर योग

यदि लग्नेश और कार्येश निर्बल होकर इत्थशाल करें और उनमें से एक किसी ग्रह से जो अपने उच्च या स्वगृह में बैठा हो, बलवान हो इत्थशाल करे तो दुत्थकुत्थीर योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

तम्बीर योग

इस योग में लग्नेश और कार्येश की परस्पर दृष्टि नहीं होती किन्तु इन दोनों में से कोई एक ग्रह राशि के अन्त में होता है एवं आगामी राशि में स्वगृही ग्रह से दीप्तांशों के अन्तर्गत इत्थशाल करता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

कुत्थ योग

यदि वर्ष कुंडली में लग्नेश कार्येश बलवान हों तो कुत्थ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

दुरूफ योग

यदि वर्ष कुंडली में लग्नेश एवं कार्येश निर्बल हो तो दुरूफयोग बनता है।

इस वर्ष आपकी वर्ष कुंडली में लग्नेश एवं कार्येश दुर्बल है अतः दुरूपयोग बन रहा है।

इस योग के प्रभाव इस वर्ष आपको स्त्री से पूर्ण सुख एवं सहयोग की प्राप्त होगी तथा दाम्पत्य जीवन सुखपूर्वक व्यतीत होगा। इस समय अविवाहितों के विवाह होने के भी प्रबल योग बनेंगे। साझेदार से इस समय आपको वांछित लाभ एवं सहयोग मिलेगा तथा जो लोग राजनीति के क्षेत्र में सक्रिय है उन्हें राजनैतिक लाभ की अवश्य प्राप्ति होगी। कार्य क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता के लिए भी वर्ष श्रेष्ठ माना जाएगा। इस समय नौकरी में पदोन्नति होगी जिससे मान सम्मान एवं धन की वृद्धि होगी। व्यापारी वर्ग के लिए वर्ष उत्तम फलदायक सिद्ध होगा तथा उनके कार्य में विस्तार होगा जिससे आर्थिक सुदृढ़ता बनेगी। अतः वर्ष का लाभ उठाने के लिए सतत प्रयत्नशील रहना चाहिए।

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्विते़ऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा यदा कदा आपको शारीरिक कष्ट की अनुभूति होगी। साथ ही मानसिक उद्विग्नता तथा चंचलता का भाव भी विद्य मान रहेगा। पारिवारिक सुख शान्ति तथा सन्तुष्टि इस समय मध्यम रहेगी तथा यदा कदा परस्पर कलह एवं विवाद भी उत्पन्न होंगे। साथ ही आपका सम्मान भी मध्यम रहेगा। मित्र एवं संबन्धियों से भी कोई मतभेद या तनाव हो सकता है। संतति पक्ष से इस समय आपको अल्प मात्रा में ही सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष भी इस समय आपके लिए अनावश्यक समस्याएं या व्यवधान भी उत्पन्न कर सकता है। आपका दाम्पत्य जीवन इस समय मध्यम रहेगा तथा स्त्री से कोई मतभेद या तनाव का वातावरण रहेगा।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष विशेष शुभ नहीं रहेगा व्यापार में इस समय आपके उन्नति तथा सफलता के मार्ग में व्यवधान आएंगे साथ ही लाभ मार्ग भी अवरुद्ध होंगे। नौकरी या राजनीति में आपकी पदोन्नति में भी विलम्ब होगा तथा अनावश्यक व्यवधान भी उत्पन्न होंगे। इस समय आपका विरोधी पक्ष भी प्रबल रहेगा परन्तु आर्थिक स्थिति भी सन्तोष प्रद रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ प्राप्त होता रहेगा। साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आपके संबंध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे। अतः ऐसे समय में आपको इनकी आज्ञा का पालन करना चाहिए जिससे कोई समस्या उत्पन्न न हो सके। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा अतः धैर्य एवं बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करना चाहिए ।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में शारीरिक रूप से आप की स्वस्थता बनी रहेगी। साथ ही मानसिक रूप से भी आप शान्ति तथा प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे। इस समय आप में उत्साह के भाव की प्रबलता रहेगी तथा आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्य उत्साह एवं परिश्रम से ही सम्पन्न करेंगे।साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। इस समय आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा यश भी दूर दूर तक व्याप्त होगा फलतः सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपको उचित मान सम्मान प्रदान करेंगे।बन्धुवर्ग से भी इस वर्ष आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा उनसे लाभ भी मिलेगा। मिष्ठान्न के प्रति इस समय आपकी विशेष रूचि रहेगी तथा इच्छानुसार आप समय समय पर रूचि पूर्वक इसका भक्षण कर के आनन्द की प्राप्ति करेंगे।

इस वर्ष में राजनैतिक रूप से प्रभाव शाली व्यक्तियों या सरकार के उच्चाधिकारी वर्ग से आप को आश्रय मिलेगा अर्थात आपसे ये लोग प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे एवं समय समय पर अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। फलतः आपके सभी सांसारिक महत्व के कार्य यथा समय सिद्ध होंगे। आर्थिक दृष्टि से भी आपकी आय अच्छी रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ की प्राप्ति होगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त स्त्री से भी आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा जिससे आपके मन में प्रसन्नता का भाव विद्यमान रहेगा।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थितियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङगोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे।धर्म के प्रति आपके मन में इस समय श्रद्धा रहेगी तथा श्रद्धापूर्वक धार्मिक कार्य कलापों तथा पुण्य संबधी कार्यो को सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगे। इस समय आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य परिश्रम पूर्वक सम्पन्न होंगे तथा इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। साथ ही सौभाग्य में भी वृद्धि होगी एवं भाग्योदय संबधी कोई महत्वपूर्ण कार्य भी सम्पन्न होगा। इस समय भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करने में आप समर्थ रहेंगे तथा आनन्दपूर्वक इनका उपभोग करेंगे। साथ ही किसी शुभ एवं मांगलिक कार्य पर व्यय भी होगा।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष शुभ रहेगा इस समय व्यापार में आप इच्छित उन्नति एवं सफलता प्राप्त करेंगे। साथ ही कार्यक्षेत्र में विस्तार या किसी नवीन योजना का शुभारंभ भी होगा। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी आपकी पदोन्नति की संभावनाएं बनेगी। साथ ही मंत्री वर्ग या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपके सम्पर्क बनेंगे तथा उनसे वांछित लाभ एवं सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। इससे आपके विगत रूके हुए कार्यो में सफलता मिलेगी तथा मानसिक संकल्प भी पूर्ण होंगे। इस वर्ष में आपको कोई सरकारी या राजनैतिक सम्मान भी प्राप्त होगा। मित्रों एवं संबधियों से भी आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आपको इच्छित लाभ एवं सहयोग मिलता रहेगा। अतः सम्पूर्ण सुख एवं आनन्द का उपभोग करते हुए आपका यह वर्ष व्यतीत होगा।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक कष्ट की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक रूप से भी यदा कदा आप अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट रहेंगे। इस समय मित्र एवं संबंधियों से आपके संबंध सामान्य ही रहेंगे तथा उनसे विशेष सुख एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा। साथ ही पारिवारिक सुख शान्ति एवं समृद्धि भी मध्यम रहेगी। इस समय स्त्री से आपके संबंधों में यदा कदा तनाव रहेगा फलतः दाम्पत्य सुख में मधुरता कम रहेगी। संतति पक्ष से भी इस समय आप विशेष प्रसन्न नहीं रहेंगे तथा उनसे सुख एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा। शत्रु या विरोधी पक्ष भी इस समय प्रबल रहेगा तथा आपके लिए वे समस्याएं उत्पन्न करेंगे परन्तु उनका सामना आप दृढ़ता से करेंगे तथा उनको पराजित करने में समर्थ रहेंगे। इसके साथ ही भौतिक सुख संसाधनों की भी इस वर्ष में न्यूनता रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए यह वर्ष परिश्रम एवं संघर्षपूर्ण रहेगा तथा अत्यधिक परिश्रम के द्वारा ही आप को सफलता प्राप्त होगी। साथ ही नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी पदोन्नति में समस्याएं उत्पन्न होंगी तथा अनावश्यक विलम्ब भी होगा। इस समय आपके अधिकारी वर्ग या वरिष्ठ नेता आपसे विशेष प्रसन्न नहीं रहेंगे फलतः उनसे विशेष सहयोग एवं लाभ नही मिलेगा। साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग की उपेक्षा न करें। इस समय यात्राओं से भी विशेष लाभ नहीं होगा तथा आर्थिक स्थिति भी मध्यम रहेगी। अतः परिश्रम पूर्वक अपने कार्यो को करने में तत्पर रहें।

प्रथम मास

19/08/2026 11:11:06 से 19/09/2026 10:21:13 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	स्वाति	17:08:58
सूर्य		सिंह	मघा	02:03:09
चन्द्र		तुला	विशाखा	22:14:47
मंगल		मिथुन	आर्द्रा	10:57:06
बुध		कर्क	आश्लेषा	23:16:31
गुरु		कर्क	आश्लेषा	16:44:20
शुक्र		कन्या	हस्त	17:51:29
शनि	व	मीन	रेवती	20:03:29
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	05:36:18
केतु	व	सिंह	मघा	05:36:18
मुंथा		वृश्चिक	ज्येष्ठा	27:50:56

मासाधिपति

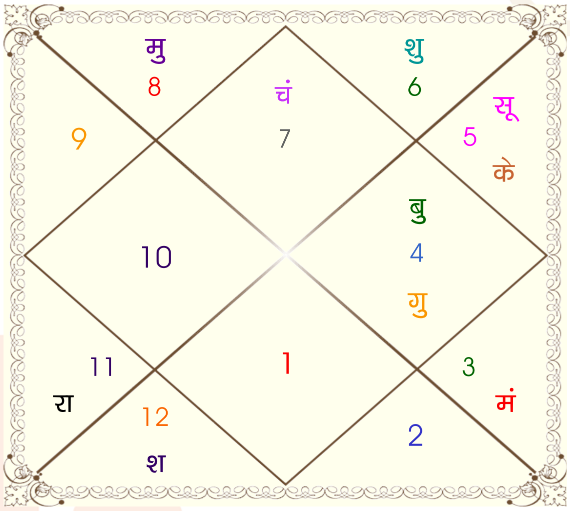

मासाधिपति : सूर्य

इस मास में आप अपने ही उत्साह के द्वारा धनार्जन करने में सफल रहेंगे तथा समाज से आपको पूर्ण यश तथा मान प्राप्त होगा।साथ ही अपने समस्त बन्धुओं तथा मित्रों से आप पूर्ण प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे। इस समय उच्चाधिकरी वर्ग से भी आपको आश्रय मिलेगा तथा मिष्ठान्न का अधिक मात्रा में उपभोग करने में रूचिशील रहेंगे।आपका स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा एवं बल की उसमें वृद्धि होगी। इस प्रकार आप सम्पूर्ण मास सुखोपभोग में व्यतीत करेंगे। साथ ही आपके शत्रु भी आपसे पराजित होगे एवं स्त्री से पूर्ण सुख प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त व्यापार मेंभी आप लाभ अर्जित करेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री वर्ग से पूर्ण सहयोग अर्जित करेंगे एवं बुद्धि में निर्मलता का भी समावेश होगा। इसके अतिरिक्त आप प्रचुर मात्रा में धनलाभ अर्जित करेंगे तथा सुखपूर्वक धर्मानुपालन करते हुए अपना समय व्यतीत करेंगे।

द्वितीय मास

19/09/2026 10:21:13 से 19/10/2026 21:28:27 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	विशाखा	02:47:48
सूर्य		कन्या	उ०फाल्गुनी	02:03:09
चन्द्र		धनु	मूल	05:44:23
मंगल		कर्क	पुनर्वसु	00:26:53
बुध		कन्या	हस्त	19:31:09
गुरु		कर्क	आश्लेषा	23:09:21
शुक्र		तुला	स्वाति	10:46:38
शनि	व	मीन	रेवती	18:14:53
राहु		कुम्भ	धनिष्ठा	05:16:35
केतु		सिंह	मघा	05:16:35
मुंथा		धनु	मूल	00:20:56

मासाधिपति

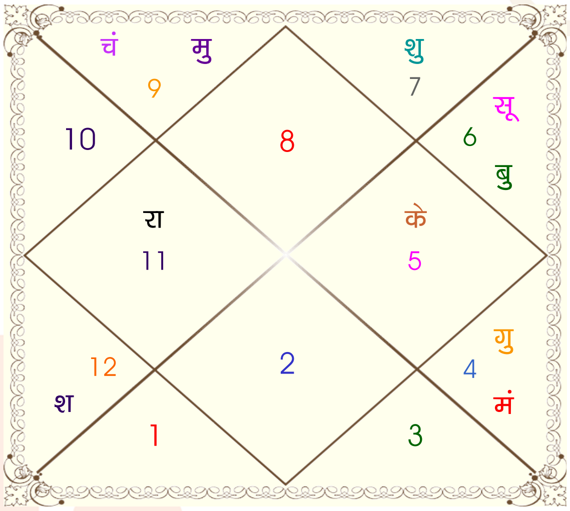

मासाधिपति : बुध

इस मास को सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे।साथ ही आप अपने उत्साह एवं परिश्रम से धनार्जन करेंगे तथा अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करेंगे। समाज में आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा बन्धुओं एवं मित्र वर्ग से आप आदर तथा सम्मान प्राप्त करेंगे। उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप आश्रय प्राप्त करेंगे तथा उनसे उचित सहयोग तथा सहायता भी अर्जित करेंगे। इस मास में आप मिष्ठान्न का भी अधिक मात्रा में उपयोग करेंगे। साथ ही शारीरिक स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा एवं शारीरिक बल में भी वृद्धि होगी। इस समय शत्रु वर्ग भी आपसे भयभीत एवं चिन्तित रहेगा। इसके अतिरिक्त व्यापार आदि कार्यों के द्वारा भी धनार्जन होगा। इस प्रकार आप सम्पूर्ण मास को सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे।

साथ ही आप स्त्री का पूर्ण सुख भी प्राप्त करेंगे एवं अन्य महिला सहयोगियों से भी उचित सहयोग तथा सहायता मिलती रहेगी। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता का भाव उत्पन्न होगा एवं प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में भी सफल रहेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा समाजिक जनों से भी पूर्ण यश अर्जित करेंगे।

तृतीय मास

19/10/2026 21:28:27 से 18/11/2026 20:34:50 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	आर्द्रा	08:47:22
सूर्य		तुला	चित्रा	02:03:09
चन्द्र		मकर	श्रवण	12:55:25
मंगल		कर्क	आश्लेषा	17:56:54
बुध		तुला	विशाखा	25:28:47
गुरु		कर्क	आश्लेषा	28:25:27
शुक्र	व	तुला	स्वाति	09:11:46
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	15:54:05
राहु		कुम्भ	धनिष्ठा	03:48:20
केतु		सिंह	मघा	03:48:20
मुंथा		धनु	मूल	02:50:56

मासाधिपति

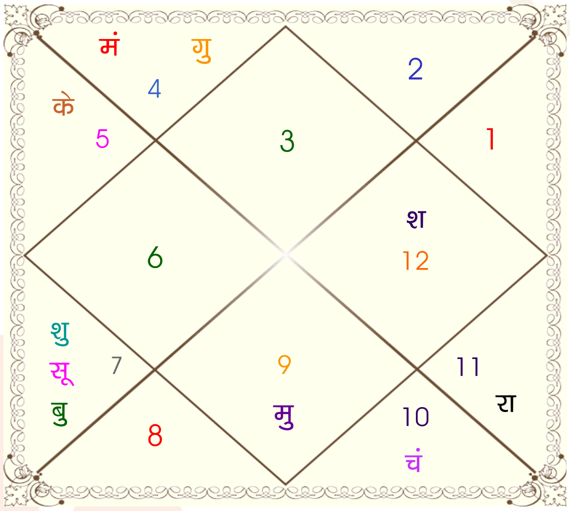

मासाधिपति : शनि

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय आप स्त्री या बन्धु वर्ग से कष्ट प्राप्त करेंगे अथवा आपके बन्धु वर्ग तथा स्त्री को किसी प्रकार का कष्ट होगा। साथ ही शत्रुपक्ष से भी आपको नित्य चिन्ता तथा भय बना रहेगा। आपमें इस मास उत्साह की अल्पता स्पष्ट रूप से परिलि क्षत होगी तथा अनावश्यक रूप से धन भी अधिक मात्रा में व्यय होगा जिससे आर्थिक रूप से भी आप कष्टानुभुति प्राप्त करेंगे आपके मन में लालच के भाव की भी वृद्धि होगी तथा शारीरिक स्वास्थ्य भी विशेष अच्छा नहीं रहेगा। बन्धु जनों से आपके सम्बन्धों में तनाव व्याप्त होगा तथा ऐसे समय में मित्र भी शत्रु की तरह व्यवहार करेंगे जिससे आपको मानसिक रूप से असन्तुष्टि रहेगी। साथ ही अन्य पारिवारिक या समाजिक जनों से भी वादविवाद होते रहेंगे।

लेकिन इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फलों को भी अवश्य प्राप्त करेंगे। इससे आपको स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा इनसे आप पूर्ण सन्तुष्ट रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्रों तथा द्रव्य आदि को प्राप्त करने में भी सफल रहेंगे। अतः यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त रहेगा।

चतुर्थ मास

18/11/2026 20:34:50 से 18/12/2026 10:49:23 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	पुनर्वसु	23:06:23
सूर्य		वृश्चिक	विशाखा	02:03:09
चन्द्र		कुम्भ	शतभिषा	14:57:21
मंगल		सिंह	मघा	02:41:39
बुध		तुला	स्वाति	12:50:37
गुरु		सिंह	मघा	01:50:28
शुक्र		कन्या	चित्रा	29:02:43
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	14:08:28
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	00:54:11
केतु	व	सिंह	मघा	00:54:11
मुंथा		धनु	मूल	05:20:56

मासाधिपति : बुध

मासाधिपति

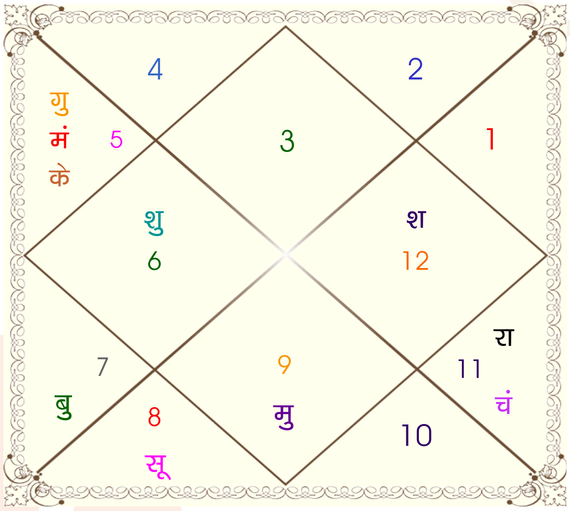

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा अशुभ फल अधिक मात्रा में प्राप्त होंगे। इस समय आप स्त्री एवं बन्धुवर्ग से कष्ट की प्राप्ति करेंगे तथा शत्रुपक्ष से भी आपको भय तथा चिन्ता बनी रहेगी जिससे आप मानसिक रूप से भी आप अशान्त रहेंगे ।साथ ही आप में उत्साह के भाव की भी अल्पता रहेगी तथा धन व्यय भी अधिक मात्रा में होगा जिससे आर्थिक संकट भी बना रहेगा। शारीरिक रूप से भी आप अस्वस्थ रहेंगे एवं मन में लोभ के भाव की प्रबलता रहेगी। अपने मित्र एवं बन्धुजनों से भी आपका परस्पर मनमुटाव रहेगा तथा ऐसे समय पर मित्र भी शत्रु की तरह व्यवहार करेंगे जिससे आप आन्तरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त अन्य समाजिक या बन्धुजनों से भी वादविवाद आदि की भी सम्भावना बनी रहेगी। अतः आपका यह समय कष्टपूर्वक ही व्यतीत होगा।

साथ ही इस समय आप वायु से उत्पन्न होने वाले रोगों से अस्वस्थ रहेंगे तथा जाने या अनजाने में किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न कर सकते हैं जिसके लिए बाद में आपको पश्चाताप करना पड़े। इससे आपकी समाजिक अवमानना भी होगी। इसके अतिरिक्त इस समय आप अग्नि के द्वारा न्यूनाधिक मात्रा में धन हानि भी प्राप्त करेंगे। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

पंचम् मास

18/12/2026 10:49:23 से 16/01/2027 21:31:55 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कुम्भ	शतभिषा	09:07:39
सूर्य		धनु	मूल	02:03:09
चन्द्र		मीन	उ०भाद्रपद	13:44:14
मंगल		सिंह	मघा	13:05:40
बुध		वृश्चिक	ज्येष्ठा	23:58:45
गुरु	व	सिंह	मघा	02:44:39
शुक्र		तुला	स्वाति	16:19:43
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	13:44:33
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	27:59:35
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	27:59:35
मुंथा		धनु	मूल	07:50:56

मासाधिपति

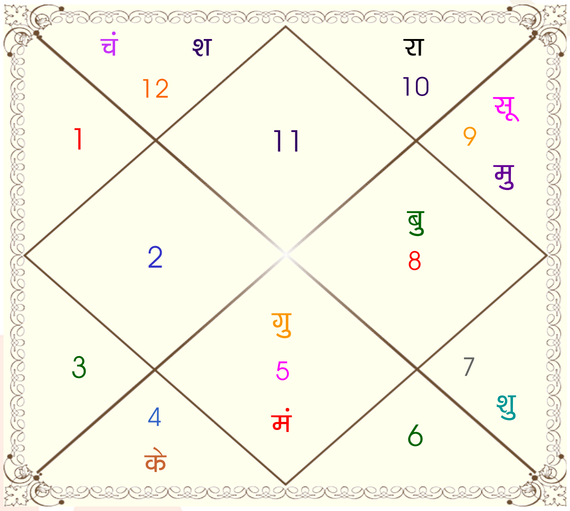

मासाधिपति : गुरु

इस मास को आप सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे। इस समय आप स्त्री वर्ग से पूर्ण लाभ एवं सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे। साथ ही सौभाग्य से भी आप युक्त रहेंगे जिससे आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे ।सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से लाभार्जन करने में भी इस मास में सफलता प्राप्त करेंगे ।शारीरिक रूप से आप पूर्ण स्वस्थ रहेंगे तथा मन भी प्रसन्नता से युक्त रहेगा। अध्ययन या ज्ञानार्जन में भी आपकी तीव्र रुचि रहेगी। मित्रों तथा संबधियों से आपके संबध मधुर एवं घनिष्ठ रहेंगे तथा उनसे पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इस मास आपको वांछित द्रव्यों की प्राप्ति होगी जिसके उपभोग से आप सुखी तथा निश्चिंत रहेंगे। साथ ही बन्धु वर्ग में प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा असफल आशाओं में भी आप सफलता प्राप्त करेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य महिला सहयोगियों से भी वांछित सहयोग प्राप्त करेंगे जिससे आपके कई शुभ कार्य सिद्ध होंगे। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी तथा उचित धन लाभ एवं सुख प्राप्त करने में भी आप सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा समाज में आप पूर्ण यश अर्जित करने में सफल रहेंगे।

षष्ठ मास
16/01/2027 21:31:55 से 15/02/2027 10:52:57 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	उ०फाल्गुनी	26:40:33
सूर्य		मकर	उत्तराषाढ़ा	02:03:09
चन्द्र		मेष	अश्विनी	12:07:56
मंगल	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	15:56:54
बुध		मकर	श्रवण	11:30:25
गुरु	व	सिंह	मघा	00:54:24
शुक्र		वृश्चिक	अनुराधा	15:40:33
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	14:53:31
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	26:32:44
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	26:32:44
मुंथा		धनु	मूल	10:20:56

मासाधिपति

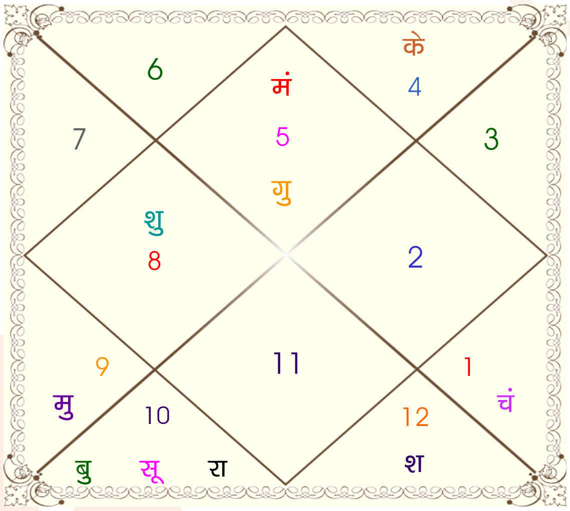

मासाधिपति : चन्द्र

इस मास में आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी। अतः आपके अधिकाशं शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य स्वबुद्धि बल से ही सम्पन्न होंगे। इस समय आप कई प्रकार से द्रव्य लाभ अर्जित करेंगे तथा पुत्र से भी पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगे। इस मास में आप ज्ञानार्जन करने में भी सफल रहेंगे। साथ ही प्रभुत्व में भी इस समय वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी प्रभुता तथा श्रेष्ठता को हृदय से स्वीकार करेंगे। इस मास में आपके अधिकाशं शुभ कार्य सम्पन्न होंगे तथा कहीं से कोई शुभ समाचार भी प्राप्त होगा जिससे आपको मानसिक प्रसन्नता प्राप्त होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इसके साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप यथोचित लाभार्जन करने में सफल रहेंगे एवं समाज से भी आप पूर्ण मान प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे। अतः मन से भी सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही शुभ फलों के साथ साथ इस मास में आप अशुभ फल भी प्राप्त करेंगे। इससे आप वायु द्वारा उत्पन्न रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा जाने अनजाने किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी प्रतिष्ठा में न्यूनता आएगी तथा इसके लिए आप पश्चाताप करेंगे। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी आप धन हानि को प्राप्त कर सकते है। अतः यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त रहेगा।

सप्तम् मास
15/02/2027 10:52:57 से 17/03/2027 08:26:21 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	भरणी	26:25:08
सूर्य		कुम्भ	धनिष्ठा	02:03:09
चन्द्र		वृष	रोहिणी	13:34:00
मंगल	व	सिंह	मघा	08:17:02
बुध	व	कुम्भ	शतभिषा	09:09:01
गुरु	व	कर्क	आश्लेषा	27:14:39
शुक्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	19:12:49
शनि		मीन	रेवती	17:21:35
राहु		मकर	धनिष्ठा	26:16:43
केतु		कर्क	आश्लेषा	26:16:43
मुंथा		धनु	मूल	12:50:56

मासाधिपति

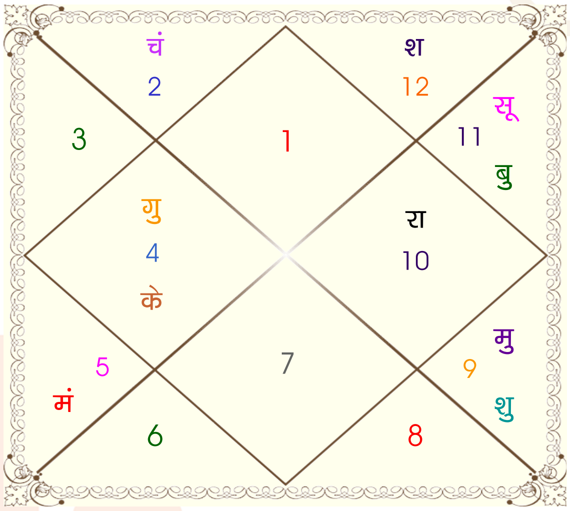

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए पूर्ण रूप से शुभ फलदायक रहेगा। इस समय आपके उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा आप किसी सम्मानीय पद को प्राप्त करने में भी सफल होंगे। इस मास में आपका धनार्जन प्रचुर मात्रा में होगा तथा सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभ तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय आपके घर में कोई धार्मिक कार्यक्रम सम्पन्न होने की संभावना रहेगी। साथ ही स्त्री एवं पुत्र से भी पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करने में सफल सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा यथाशक्ति आप इनका पूजन तथा सत्कार करेंगे। समाज में इस समय आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा अधिकाशं भाग्योदय संबधी कार्य भी इसी समय सम्पन्न होंगे। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता रहेगी तथा लाभदायक यात्राओं का भी योग बनेगा इसके अतिरिक्त मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे वांछित सहयोग एवं सुख प्राप्त करेंगे। इस प्रकार इस समय सर्वत्र आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होती रहेगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से मनोवांछित सहयोग तथा सुख की प्राप्ति करेंगे तथा बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करके अन्य स्त्रोतों से भी धनार्जन तथा सुख संसाधन अर्जित करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आप श्रद्धा का प्रदर्शन करेंगे। अतः यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा।

अष्टम् मास
17/03/2027 08:26:21 से 16/04/2027 17:46:34 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	भरणी	17:58:02
सूर्य		मीन	पू०भाद्रपद	02:03:09
चन्द्र		मिथुन	पुनर्वसु	20:59:51
मंगल	व	कर्क	आश्लेषा	28:12:23
बुध		कुम्भ	धनिष्ठा	04:26:11
गुरु	व	कर्क	आश्लेषा	23:53:03
शुक्र		मकर	धनिष्ठा	24:40:40
शनि		मीन	रेवती	20:43:58
राहु		मकर	धनिष्ठा	25:47:22
केतु		कर्क	आश्लेषा	25:47:22
मुंथा		धनु	पूर्वाषाढ़ा	15:20:56

मासाधिपति

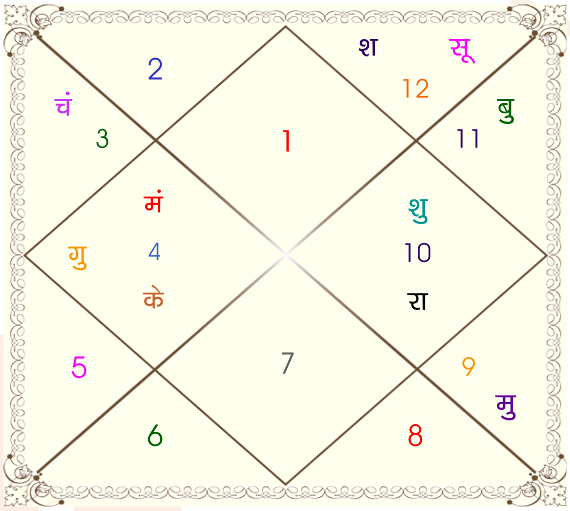

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए अत्यन्त ही शुभ तथा भाग्यवर्द्धक रहेगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण रूप से सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे। साथ ही आपके धर में कोई धार्मिक कार्यक्रम भी सम्पन्न होगा।संतति पक्ष से आप निश्चिन्त रहेंगे तथा उनसे पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा का भाव रहेगा एवं श्रद्धा पूर्वक आप इनकी सेवा तथा पूजा करेंगे। समाज में इस समय आपके यश में वृद्धि होगी तथा भाग्योदय संबधी कार्य भी सम्पन्न होंगे। साथ ही आपकी बुद्धि में भी निर्मलता का भाव रहेगा। इस मास में आपकी लाभ दायक यात्रा का योग भी बनेगा। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप सम्मान तथा सहयोग भी अर्जित करेंगे। इसके अतिरिक्त मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा समाज में आप एक सम्माननीय तथा प्रतिष्ठित व्यक्ति समझे जाएंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा महिला वर्ग से पूर्ण सहयोग एवं लाभार्जित करने में सफल रहेंगे। इस समय आपको प्रचुर मात्रा में धनार्जन भी होगा तथा सुख साधनों को भी आप अर्जित करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में आपकी रूचि रहेगी तथा समाज में पूर्ण यश एवं प्रतिष्ठा व्याप्त रहेगी।

नवम् मास

16/04/2027 17:46:34 से 17/05/2027 15:25:33 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	चित्रा	25:40:27
सूर्य		मेष	अश्विनी	02:03:09
चन्द्र		सिंह	मघा	05:32:24
मंगल		कर्क	आश्लेषा	27:57:57
बुध		मीन	रेवती	19:07:37
गुरु		कर्क	आश्लेषा	22:46:21
शुक्र		मीन	पू०भाद्रपद	01:20:02
शनि		मीन	रेवती	24:32:02
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	23:57:59
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	23:57:59
मुंथा		धनु	पूर्वाषाढ़ा	17:50:56

मासाधिपति

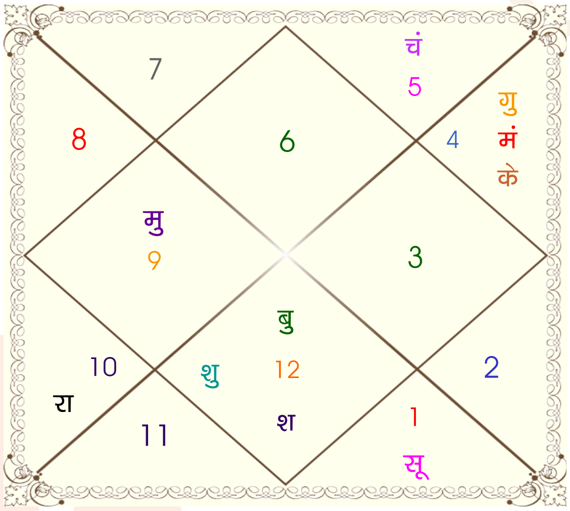

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए सामान्यतया अच्छा नहीं रहेगा तथा शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक घटित होंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। आपका शत्रुपक्ष इस समय प्रबल रहेगा अतः उनकी ओर से आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगे। इस समय आपके कार्य क्षेत्र में न्यूनता आएगी या कोई अन्य कार्य छूट सकता या बन्द हो सकता है। साथ ही कार्यक्षेत्र में किसी प्रकार के परिवर्तन होने की भी संभावना रहेगी। समाज में अन्य जनों से आपके संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे तथा परस्पर विवाद एवं वैमनस्य का भाव रहेगा जिससे समाजिक मान सम्मान में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त धन हानि के योग भी बनते है तथा शरीर में किसी प्रकार का रोग भी उत्पन्न हो सकता है। अतः सावधानी एवं बुद्धिमता से समय को व्यतीत करें।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ आप शुभ फल भी प्राप्त करेंगे। अतः आप स्त्री एवं पुत्र से सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे तथा उनसे आपको कोई कष्ट नहीं होगा। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्र या कीमती द्रव्यों को भी प्राप्त कर सकते है। इससे आप मानसिक प्रसन्नता की प्राप्ति कर सकेंगे।

दशम् मास
17/05/2027 15:25:33 से 17/06/2027 22:31:31 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	हस्त	21:22:47
सूर्य		वृष	कृतिका	02:03:09
चन्द्र		कन्या	चित्रा	25:30:57
मंगल		सिंह	मघा	06:48:51
बुध		वृष	रोहिणी	21:05:17
गुरु		कर्क	आश्लेषा	24:30:02
शुक्र		मेष	अश्विनी	08:50:32
शनि		मीन	रेवती	28:14:57
राहु	व	मकर	श्रवण	20:53:38
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	20:53:38
मुंथा		धनु	पूर्वाषाढ़ा	20:20:56

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

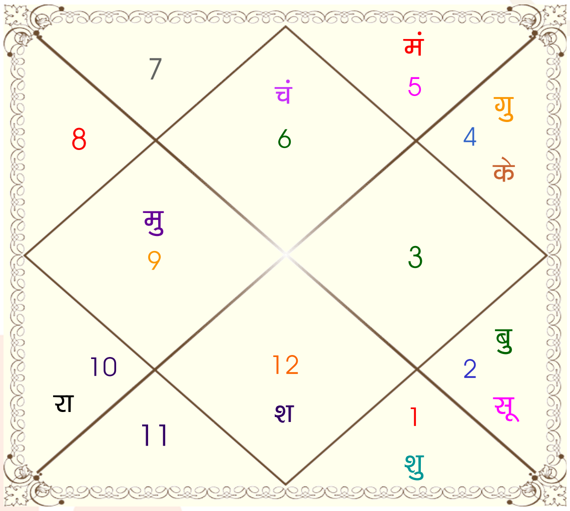

यह महीना आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में दुर्बलता रहेगी। इस मास में आपके शत्रु प्रबल रहेंगे अतः उनकी ओर से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मानसिक रूप से आप अशान्त तथा उद्विग्न रहेंगे। इस समय आपके घर में किसी प्रकार से चोरी भी हो सकती है अतः सावधान रहना चाहिए।साथ ही आपके व्यापार या नौकरी आदि के क्षेत्र में शिथिलता रहेगी तथा कई अनावश्यक विध्न बाधाएं उत्पन्न होंगी। इस समय आपका कोई कार्य परिवर्तन हो सकता है या छूट भी सकता है। समाज में अन्य जनों से भी आपका परस्पर विवाद तथा संघर्ष होता रहेगा जिससे आपके सम्मान में भी न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त धन हानि की भी संभावना रहेगी एवं शरीर में कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पित से उत्पन्न होने वाले रोगों से पीड़ित रहेंगे तथा किसी दुर्घटना आदि से रूधिर विकार भी हो सकता है अतः इस मास में आप सावधानी पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें तथा शारीरिक सुरक्षा की ओर विशेष ध्यान रखें जिससे अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न न हो सकें।

एकादश मास
17/06/2027 22:31:31 से 19/07/2027 09:27:33 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कुम्भ	धनिष्ठा	01:57:49
सूर्य		मिथुन	मृगशिरा	02:03:09
चन्द्र		वृश्चिक	ज्येष्ठा	17:11:30
मंगल		सिंह	पू०फाल्गुनी	20:54:12
बुध	व	मिथुन	आर्द्रा	10:26:35
गुरु		कर्क	आश्लेषा	28:36:59
शुक्र		वृष	रोहिणी	16:57:42
शनि		मेष	अश्विनी	01:19:48
राहु	व	मकर	श्रवण	18:07:38
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	18:07:38
मुंथा		धनु	पूर्वाषाढ़ा	22:50:56

मासाधिपति

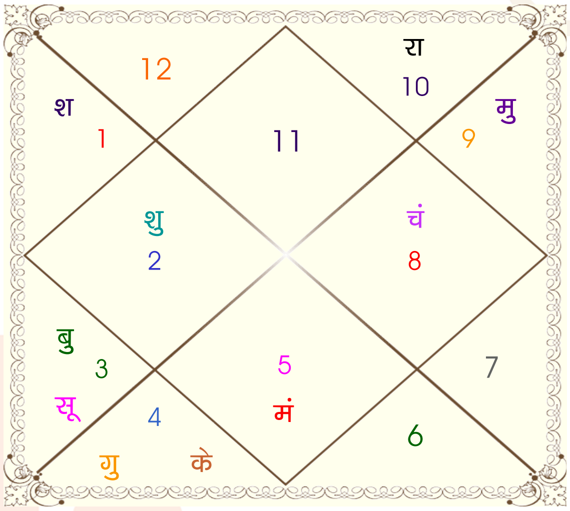

मासाधिपति : मंगल

इस मास को आप अत्यंत ही सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे। इस समय महिला वर्ग से आपको वांछित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा साथ ही सौभाग्य से भी आप युक्त रहेंगे तथा आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सौभाग्य से ही सम्पन्न होंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप सहयोग तथा लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा ज्ञानार्जन के प्रति आप अपनी रूचि का प्रदर्शन करेंगे तथा इसमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। मित्रों तथा संबधियों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आपको इच्छित सुख तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा साथ ही मनोवांछित द्रव्यों की भी इस मास में उपलब्धि हो सकती है। संतति पक्ष से भी आपको यथोचित लाभ तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा। सामाजिक जनों के मध्य आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा आपकी असफल आशाएं भी इस मास में पूर्ण होंगी। अतः मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा पुत्र से वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्र या वस्तुओं की भी प्राप्ति करने में सफल सिद्ध हो सकते हैं।

द्वादश मास

19/07/2027 09:27:33 से 19/08/2027 17:27:51 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	पू०फाल्गुनी	26:27:47
सूर्य		कर्क	पुनर्वसु	02:03:09
चन्द्र		मकर	उत्तराषाढ़ा	07:34:35
मंगल		कन्या	उ०फाल्गुनी	08:00:44
बुध		मिथुन	आर्द्रा	11:52:40
गुरु		सिंह	मघा	04:20:05
शुक्र		मिथुन	पुनर्वसु	25:28:38
शनि		मेष	अश्विनी	03:13:58
राहु	व	मकर	श्रवण	17:12:19
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	17:12:19
मुंथा		धनु	पूर्वाषाढ़ा	25:20:56

मासाधिपति

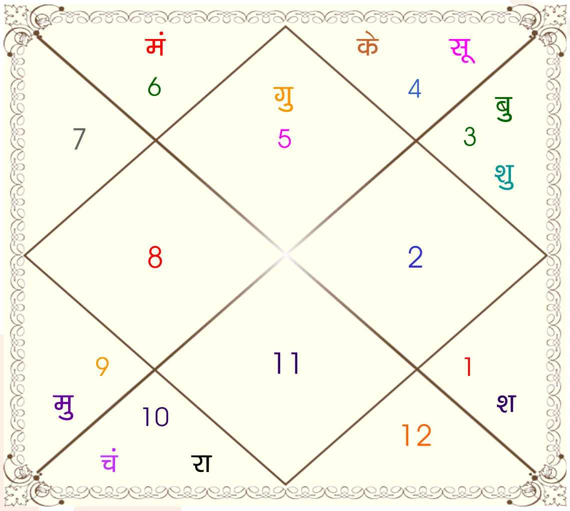

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी तथा आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी बुद्धिमता से ही सम्पन्न होंगे। इस समय आप विविध प्रकार से द्रव्य अर्जित करेंगे। साथ ही पुत्र संतति से आपको इस मास में पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा। ज्ञानार्जन में भी आपकी रूचि उत्पन्न होगी तथा इसमें आप सफल भी रहेंगे।आपके प्रभुत्व में भी इस समय वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी श्रेष्ठता को हृदय से स्वीकार करेंगे तथा आपको यथोचित सम्मान भी प्रदान करेंगे। इस समय आपके कई महत्वपूर्ण कार्य सफल होंगे तथा कहीं से कोई शुभ समाचार भी प्राप्त होगा जिससे आपको हार्दिक प्रसन्नता की अनुभूति होगी।देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा विधिपूर्वक आप उनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। इसके साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से आपको यथोचित सम्मान तथा सहयोग भी प्राप्त होगा साथ ही समाज में भी आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से आवश्यक सहयोग अर्जित करेंगे तथा अपनी बुद्धिचातुर्य से प्रचुर मात्रा में धनार्जन तथा सुखार्जन में सफल रहेंगे। धर्म के प्रति भी आप श्रद्धावान रहेंगे तथा समाज में आदरणीय समझे जाएंगे।